विश्व पर्यावरण दिवस

05 जून 2019

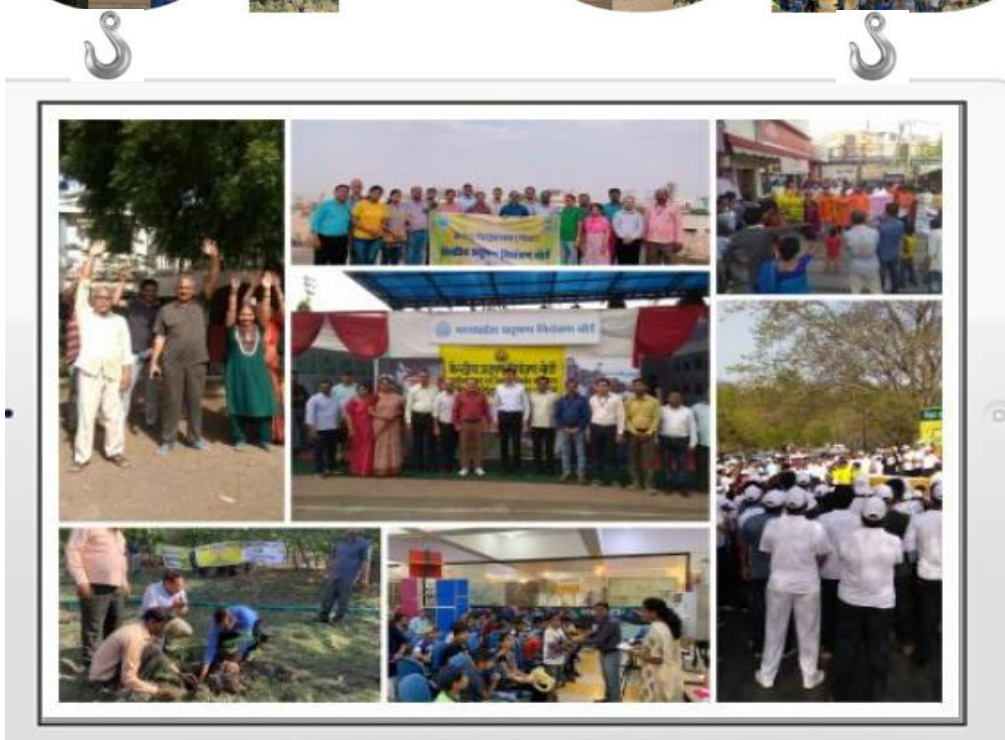

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)

भोपाल

Beat Air Pollution

WORLD ENVIRONMENT DAY

CHINA 2019

UN environment

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवेदन

(22 मई से 07 जून 2019)

संयुक्त कदम उठाने हेतु, एक मंच

विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया भर में पर्यावरण के संरक्षण व जन जागरूकता हेतु कदम उठाने की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित किया जाने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण दिन है। 1974 में अपनी शुरुआत से लेकर अब तक पर्यावरण दिवस लोगों तक पहुंचने का एक व्यापक मंच बन चुका है और यह 100 से अधिक देशों में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाता है।

लोगों का दिन

विश्व पर्यावरण दिवस मुख्य रूप से, धरती व पर्यावरण की देखभाल के लिए कुछ करने की इच्छा रखने वाले एवं प्रकृति को सहेजने वाले "लोगों का दिन" है। यह स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर केन्द्रित हो सकता है तथा इसमें अकेले व्यक्ति के द्वारा भी सहयोग व सहभागिता की जा सकती है और वैश्विक स्तर पर जुड़ाव महसूस किया जा सकता है।

विषय

प्रत्येक विश्व पर्यावरण दिवस एक विषय के अंतर्गत मनाया जाता है जो किसी खास पर्यावरण समस्या की और ध्यान केंद्रित करता है। 2019 का विषय है "वायु प्रदूषण" तथा नारा है 'वायु प्रदूषण को हराऐ' ।

मेज़बान

प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी विश्व का कोई भी एक देश करता है, जहां विभिन्न समारोह आयोजित किए जाते हैं। मेज़बान देश पर ध्यान केंद्रित होने से इसकी पर्यावरणीय

चुनौतियां सामने आती हैं और उनसे निपटने के प्रयासों को बल मिलता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी चीन कर रहा है, इसके पूर्व भारत 2011 व 2018 मे भी इसकी मेजबानी कर चुका है तथा हर वर्ष विषय की प्रासंगिकता के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लेता है।

प्रत्येक विश्व पर्यावरण दिवस एक थीम के आधार आयोजित किया जाता है जो विशेष रूप से तात्कालिक पर्यावरणीय चिंता पर ध्यान केंद्रित करता है। 2019 की थीम, "बीट एयर पॉल्यूशन," इस वैश्विक संकट का मुकाबला करने के लिए अपने कार्य को संपादित करने की चेतावनी है। इस वर्ष का मेजबान चीन को चुना गया, इस वर्ष का विषय हम सभी को यह विचार करने के लिए आमंत्रित करता है कि हम अपने रोजमर्रा के जीवन को कैसे बदल सकते हैं ताकि हम वायु प्रदूषण को अपने स्तर पर कम कर सकें, और ग्लोबल वार्मिंग कम करने में अपना योगदान करते हुए और अपने स्वयं के स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रभावों को विफल कर सकें।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल ने भी विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के अवसर पर अनेक समारोह व रुचिकर गतिविधियां आयोजित की, जिनमें लोगों की आशातीत रुचि और भागीदारी भी देखने को मिली है। क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा इसके अन्तर्गत **संपूर्ण भोपाल में सार्वजनिक जगहों, मुख्य बाज़ार, बड़े उद्योगों, अन्य वैज्ञानिक संस्थानों मे जाकर वायु प्रदूषण से संबंधी जंजागरूकता संबंधी कार्य संपादित किए और शहर के पेय जल स्त्रोतों से प्लास्टिक की सफाई की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।**

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल वायु प्रदूषण प्रबंधन की दिशा में हुए वैज्ञानिक कार्यों से जन समान्य को जागरूक कर रहा है इससे **विभिन्न प्रकार के प्रदूषण को समझना, और यह हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण को कैसे प्रभावित करता है आदि की जानकारी प्रदान कर रहा है इससे हमें अपने आसपास की हवा को बेहतर बनाने की दिशा में जन समूह की मदद मिलेगी। अक्सर हम वायु प्रदूषण को देख भी नहीं सकते, लेकिन वायु प्रदूषण हर जगह है। हम सांस रोक नहीं सकते, लेकिन हम अपनी वायु की गुणवत्ता में सुधार हेतु कुछ कर सकते हैं। दुनिया भर में दस में से नौ लोगों को वायु प्रदूषण के स्तर से अवगत कराया जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है - हम एक जरूरी काम के साथ इस समस्या का सामना कर रहे हैं।** विश्व पर्यावरण दिवस 2019 की मेज़बानी कर, चाइना सरकार एक बेहद

ज्वलंत मुद्दे के समाधान का बीड़ा उठा रही है तथा संपूर्ण विश्व के सामने वायु प्रदूषण की चुनोती से लड़ने का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। वायु प्रदूषण के प्रकार से जुड़े कुछ तथ्य निम्न है :

- **घरेलू** - घरेलू वायु प्रदूषण का मुख्य स्रोत जीवाश्म ईंधन, लकड़ी और अन्य बायोमास-आधारित ईंधन जो खाना पकाने, गर्मी और अन्य घरेलू उपयोग है। लगभग 3.8 मिलियन अकाल मृत्यु हर साल घरेलू वायु प्रदूषण के कारण होती हैं, जिनमें से अधिकांश विकासशील दुनिया में हैं। घरेलू प्रदूषण से महिलाएँ व बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे है क्योकि उनका अधिकांश समय घर मे ही व्यतीत होता है।
- **उद्योग** - सभी देशों में, ऊर्जा उत्पादन वायु प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है। इसमे कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, सीमेंट उद्योग, लोह अयस्क उद्योग का एक बड़ा योगदान है, जबकि डीजल जनरेटर ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में एक बढ़ती चिंता है।
- परिवहन - वैश्विक परिवहन क्षेत्र में लगभग एक-चौथाई ऊर्जा-संबंधित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है और यह अनुपात लगातार बढ़ रहा है। परिवहन उत्सर्जन को लगभग 400,000 अकाल मृत्यु से जोड़ा गया है।
- **कृषि** - कृषि से वायु प्रदूषण के दो प्रमुख स्रोत हैं: पशुधन, जो मीथेन और अमोनिया का उत्पादन करते हैं, और कृषि अपशिष्ट जो जलाए जाते हैं। दुनिया भर में उत्सर्जित होने वाली सभी ग्रीनहाउस गैसों का लगभग 24 प्रतिशत कृषि, वानिकी और अन्य भूमि-उपयोग में आता है।

- **अपशिष्ट** - लैंडफिल में खुले जलने वाले कचरे और जैविक अपशिष्ट हानिकारक डाइऑक्सिन, फ़्यूरान, मीथेन और ब्लैक कार्बन को वायुमंडल में छोड़ते हैं। विश्व स्तर पर, अनुमानित 40 प्रतिशत अपशिष्ट खुले तौर पर जलाया जाता है।
- **अन्य स्रोत** - सभी वायु प्रदूषण मानव गतिविधि से ही नहीं होते हैं जैसे ज्वालामुखी विस्फोट, धूल भरी आंधी और अन्य प्राकृतिक प्रक्रियाएं भी इस समस्या का कारण बनती हैं। रेत और धूल के तूफान विशेष रूप से प्राकृतिक रूप से होने वाले प्रदूषण से संबंधित हैं।

पर्यावरण और सतत विकास लक्ष्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा हमारे संकल्प "ग्रह और उसके प्राकृतिक संसाधनों की स्थायी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए" बताता है। सतत विकास के इस एजेंडे में विशेष रूप से, गोल 14 और 15 पानी और भूमि पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा के साथ-साथ समुद्री और स्थलीय संसाधनों का उचित उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हम अंतर्राष्ट्रीय दिवस क्यों मनाते हैं?

अंतर्राष्ट्रीय दिवस जनता को चिंता के मुद्दों पर शिक्षित करने, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों को वैश्विक समस्याओं से निपटने के लिए, और मानवता की उपलब्धियों को मनाने और सुदृढ़ करने के अवसर हैं। अंतर्राष्ट्रीय दिनों का अस्तित्व संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक शक्तिशाली वकालत उपकरण के रूप में अपनाया है।

(स्त्रोत:https://www.un.org/en/events/environmentday/)

इस बार विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है 'बीट एयर पोल्यूशन' इस थीम का उद्देश्य प्रकृति के द्वारा उपहार स्वरूप दिये गये वास्तविक रूप में अपने ग्रह को बचाने के लिये उत्सव के माध्यम से सभी लोगों को सक्रियता से शामिल करना। इस थीम को सार्थक बनाने के लिये अनेक गतिविधियां जैसे-कार्यशाला, वृक्षारोपण, प्रदर्शनी, पोस्टर प्रतियोगिता, पर्यावरण क्विज, सोशल मीडिया अभियान नुक्कड़ नाटक तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से भी अनेक कार्यक्रम वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु आयोजित किए गए ताकि एक सार्थक पहल का शुभारंभ किया जा सके। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के अवसर पर वैश्विक समारोह में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पर्यावरण संरक्षण संबंधी अनेक गतिविधियां आयोजित की गई जो जनता को प्रकृति से जोड़ने व संरक्षण में सहायक रही। वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो जन-सामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है एवं इसके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने हेतु इस तरह के आयोजन इसकी सार्थकता को पूर्ण करते हैं।

बड़े शहरों में वायू प्रदूषण की समस्या और भी विकराल होती जा रही है। क्योंकि यहॉ पर वायु

प्रदूषण के अनेक स्त्रोत है जैसे उद्योग, वाहन, जनरेटर, कचरा जलाना, निर्माण गतिविधियां आदि। मंत्रालय द्वारा वर्ष २००९ में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन हेतु नये मानक जारी किये थे जिनमें नये प्रदूषकों को भी मापन हेतु सम्मिलित किया गया है, ताकि इसका मापन राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ किया जा सके। साथ ही इसका प्रभावी कार्यान्वयन भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में प्रस्तावित कार्य योजना के प्रमुख बिन्दु निम्न है :-

01- <u>वायु गुणवत्ता प्रबोधन नेटवर्क</u>:- वर्तमान में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन कार्य में ऑटोमेटिक व मेनुअल दोनों तरह से प्रबोधन किया जा रहा है। भारत के 312 शहरों में लगभग ७12 स्थानों पर वायु प्रबोधन किया जा रहा है तथा सतत निगरानी हेतु सतत वायु गुणवत्ता प्रबोधन उपकरण की स्थापना की गई है। वर्तमान में देश के ६८ शहरों में यह प्रबोधन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ किया जा रहा है। जिसे बढ़ाकर १०२ शहरों में किया जाना है।

02- <u>राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक</u> (AQI):- राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की गणना के लिए उक्त शहर में जगह-जगह निगरानी केंद्र लगाए गए है जो निरंतर (सतत) परिवेशीय वायु गुणवत्ता प्रदूषण के स्तर पर नजर रखें है। इससे शहरों में वायु प्रदूषण को समझाने के लिए इस सूचकांक में अलग-अलग रंगों की श्रेणियां दी गईं है उदाहरण के लिए अगर किसी शहर की हवा हरे रंग की श्रेणी में है तो वह स्वास्थ्य के अनुकूल है लेकिन यदि वह लाल श्रेणी में है तो वह स्वस्थ लोगों पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

03- <u>सतत उत्सर्जन प्रबोधन सिस्टम</u> (CEMS):- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगभग ३००० अति प्रदूषित उद्योगों में सतत निगरानी सिस्टम की संस्थापना की है जहॉ जल व वायु गुणवत्ता का लगातार प्रबोधन किया जाता है तथा लगभग २५०० उद्योगों से लगातार डाटा भी प्राप्त हो रहा है। यह निगरानी व्यवस्था उद्योगों द्वारा स्वयं प्रबोधन कर अपने डाटा के आधार पर प्रदूषण नियंत्रण किये जाने की संकल्पना पर आधारित है।

04- <u>उत्सर्जन मानक</u>:- सरकार द्वारा २० तरह के औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण उत्सर्जन मानकों को कड़ा किया है तथा उत्सर्जन के नियमों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के नियमों के अनुसार बनाया जा रहा है। वायु प्रदूषण के नियंत्रण हेतु सीमेंट व ताप विद्युत गृह के उत्सर्जन नियमों को कड़ा किया गया है तथा सल्फर डाई ऑक्साईड व नाईट्रोंजन डाई ऑक्साईड के नये उत्सर्जन मानक जारी किये

गये है।

05- <u>वाहन उत्सर्जन मानक</u>:- शहरी क्षेत्रों में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु ०१ अप्रैल २०१७ से भारत-४ उत्सर्जन नियम लागू किये गये है तथा वर्ष २०२० तक भारत-६ नियम लागू किये जाने का प्रस्ताव है।

06- <u>श्रेणीबद्ध कार्य योजना</u>:- शहरी प्रदूषण विशेष रूप से दिल्ली राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने के उद्देशय से श्रेणीबद्ध कार्य योजना प्रारंभ की गई है जिसमें ए.क्यू.आई. के आधार पर गतिविधियों को नियंत्रित किया जाता है तथा प्रदूषण नियंत्रण हेतु जानकारी प्रदान की जाती है।

07- <u>गैर-प्राप्ति शहरों</u> (non-attainmentcities) की कार्य योजनाः- भारत सरकार के द्वारा शहरी क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण हेतु हर शहर की स्थानीय स्तर पर योजना बनाई हैं। इसमें वर्तमान में १०२ शहरों की प्रदूषण नियंत्रण की कार्य योजना बनाये जाना प्रस्तावित है। जिसमें से ७३ शहरों की कार्य योजना तैयार की जा चुकी है। गैर-प्राप्ति वाले शहरों में उन शहरों को सम्मलित किया जाता है जहां पर वायु गुणवत्ता राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता की मानकों से भी खराब स्थिति में है।

सन् 1972 में 05 जून से 16 जून तक मानव पर्यावरण पर शुरू हुये सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र आम सभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के द्वारा कुछ प्रभावकारी अभियानों को प्रारंभ करने तथा हर वर्ष पर्यावरण दिवस मनाने की कल्पना की थी। इसे पहली बार 1973 में 'केवल धरती' थीम के साथ मनाया गया था तथा 1974 से दुनिया के विभिन्न शहरों में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी प्रारंभ की गई। संपूर्ण विश्व में जन-सामान्य को जागरूक बनाने के साथ ही कुछ सकारात्मक पर्यावरणीय कार्यवाही को लागू करने तथा पर्यावरणीय मुद्दों को सुलझाने के लिये तथा हरित पर्यावरण के महत्व के बारे में वैश्विक स्तर पर जन-जागरूकता लाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार या निजी संगठनों की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की है, यह संदेश भी विश्व पर्यावरण दिवस के माध्यम से देने का प्रयास किया जाएगा।

उपरोक्त बैठक में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा भाग लिया गया था, श्रीमती गांधी के स्वदेश वापसी के बाद से ही पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संवैधानिक प्रावधानों को

लागू करने का कार्य प्रारंभ हुआ। इसके बाद हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए प्रारंभिक रूप में जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तत्पश्चात वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 लागू किया गया तथा कालांतर में समय व परिस्थिति के अनुसार विभिन्न प्रदूषणकारी तत्वों की जलिटताओं के आधार पर समुचित प्रबंधन हेतु सर्वमान्य व प्रभावी कानून बनाए गए। पर्यावरण संबंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा राज्य स्तर पर राज्य सरकारों एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को प्रदान की गई है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण मापन व नियंत्रण के क्षेत्र में अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों का सम्पादन करता है। बोर्ड के विभिन्न कार्यों में एक कार्य जन-सामान्य को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा व्यक्तिगत स्तर से संस्थागत स्तर तक पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करना भी है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें पर्यावरण संरक्षण के वर्तमान मुद्दे जैसे- नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, मल-जल प्रबंधन, ओद्यौगिक प्रदूषण नियंत्रण, वन संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि पर जन-जागरूकता की जाती रही है तथा प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण संगठन द्वारा घोषित थीम व स्थानीय आवश्यकता के आधार पर पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाती है।

वर्ष 2019 के आयोजन के प्रमुख बिन्दुओं में वायु प्रदूषण की समस्या को मुख्य रूप से सम्मिलित किया गया है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस आयोजन के निम्न उद्देश्य थे :-

1. जनसामान्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना।
2. वायु प्रदूषण के प्रति जन सामान्य में जागरूकता फैलाना तथा प्रदूषण नियंत्रण के विकल्प बताना।
3. स्वैच्छिक रूप से लोगों को वायु प्रदूषण के नियंत्रण हेतु प्रोत्साहित कराना।
4. वायु प्रदूषण से पर्यावरण को होने वाली क्षति व दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा पर्यावरणीय

परिवेश को साफ व सुरक्षित बनाए रखने हेतु प्रेरित करना।

5. कार्यालय द्वारा प्रदूषण निवारण व रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों से जनसामान्य को अवगत कराना।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित करने तथा क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल के कार्यक्षेत्र में आने वाले मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में भी इस कार्यक्रम को संपादित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की कार्य योजनायें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के संयोजन के साथ बनाई गई। इस वर्ष मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ वायु प्रदूषण / प्लास्टिक के विरुद्द जन-जागरूकता संबंधी अनेक संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व विशेष रूप से उसके क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र मे कार्य करने वाले सभी संस्थानों से उत्कृष्ट समन्वयन किया गया। कार्यालय द्वारा क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल व क्षेत्रीय प्राणी विज्ञान संग्रहालय, भोपाल के साथ भी संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजन मे सहभागिता की।

क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला का आयोजन दिनांक 22.05.2019 से 07.06.2019 के मध्य किया गया। जिसमें निम्नलिखित कार्यक्रमों की श्रंखला आयोजित की गई-

<u>वृक्षारोपण कार्यक्रम (22.05.2019)</u>

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ मंडीदीप ओद्द्योगिक क्षेत्र में दिनांक 22.5.2019 को वृक्षारोपण से किया गया इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व अन्य स्थानीय उद्योग के अधिकारियों द्वारा सहभागिता की गई। वृक्षारोपण पश्चात् सभी उपस्थितों ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी शपथ ली। वृक्षारोपण कार्यक्रम उपरांत क्षेत्रीय निदेशक डॉ.पी.के.बेहेरा द्वारा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया तथा पर्यारण संरक्षण में हमारे प्रयास किस तरह सहायक हैं इस बाबत् जानकारी प्रदान की। डॉ.पी.एस.बुंदेला क्षेत्रीय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल द्वारा भी वायु प्रदूषण के

दुष्प्रभाव व ओध्योगिक स्तर पर इसके नियंत्रण से संबंधी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये व वृक्षों के महत्व पर चर्चा की। क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल की ओर से श्री संजय मुकाती व सुश्री अल्फा मोनिका द्वारा भी इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए।

<u>आयोजित कार्यशालायें (23.05.2019 एवं 27.05.2019)</u> -

पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, प्रथम कार्यशाला दिनांक 23 मई, 2019 को जे.के.हॉस्पिटल कोलार रोड भोपाल के सभागार में आयोजित की गई जिसमें हॉस्पिटल के सभी मेडिकल व समान्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वायु प्रदूषण संबंधी जानकारी व इसके स्वास्थ पर होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा तकनीकी प्रेसेंटेशन दिया गया तथा कार्यालय द्वारा प्रदूषण नियंत्रण संबंधी कार्यों से उपस्थित अधिकारियों को अवगत करवाया।

इसी चरण में अगली कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय में दिनांक 27.05.2019 को किया गया इस कार्यशाला में शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण की समस्या को दूर करने संबंधी प्रयासों के क्रियान्वयन में आ रही तकनीकी व विभिन्न विभागों के बीच समन्वयन में होने वाली कठिनाइयों से संबंधी चर्चा की गई। परिचर्चा के दौरान इस वर्ष के पर्यावरण दिवस के मेजबान देश चाइना द्वारा किस तरह वायु प्रदूषण पर नियंत्रण किया है इस बाबत भी चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान भारत सरकार द्वारा शहरी प्रदूषण दूर करने हेतु लागू की जा रही नॉन अटेनमेंट सिटी एक्शन प्लान के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री सुनील कुमार मीणा वैज्ञानिक 'घ' ने एक्शन प्लान संबंधी जानकारी प्रदान की तथा माननीय राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा दिये गए आदेशों से भी सभी उपस्थितों को अवगत करवाया।

पर्यावरण क्विज व चित्रकला प्रतियोगिता :-

पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की श्रंखला में दिनांक 23 मई, 2019 को क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल के सहयोग से समर कैम्प में उपस्थित बच्चों के बीच जाकर उन्हें वायु प्रदूषण के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा कार्यालय द्वारा वायु व ध्वनि प्रदूषण के मापन में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चों को वायु प्रदूषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई तथा वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे दैनिक जीवन के साथ-साथ हमारी विवशता बनता जा रहा है, इस बाबत् जानकारी प्रदान की गई। शहरी क्षेत्र में सबसे अधिक वायु प्रदूषण वाहनों से होता है, अतः इसके नियंत्रण व विकल्प के बारे में बच्चों को जानकारी दी और वायु प्रदूषण पर्यावरण को किस तरह नुकसान पहुंच रहा है तथा हमारे किन प्रयासों से इसको न्यूनतम किया जा सकता है इस बाबत् बच्चों से वार्तालाप की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री संजय कुमार मुकाती व सुश्री अल्फा मोनिका द्वारा किया गया तथा श्री जगजीवन द्वारा भी बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

इसी कार्यक्रम के अगामी चरण में दिनांक 24 मई, 2019 को क्षेत्रीय प्राणी विज्ञान संग्रहालय में बच्चों व स्थानीय लोगों के बीच पर्यावरण जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच वायु प्रदूषण संबंधी परिचर्चा की गई तथा उन्हें वायु प्रदूषण के कारण व इसके निदान मे हम किस तरह योगदान कर सकते है इस बाबत करने की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर बच्चों ने प्लास्टिक/घेरलु कचरे को जलाने व इससे होने वाले स्थानीय वायु प्रदूषण संबंधी बातें बताई जो कि इंगित करता है कि प्रदूषण की समस्या के बारे में बच्चे अभी से जागरूक हैं। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के मध्य पर्यावरण क्विज का आयोजन किया गया तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित थीम पर दिनांक 03.06.2019 को स्थानीय तात्या टोपे स्टेडियम में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान लगभग 150 से अधिक बच्चे उपस्थित हुए तथा पर्यावरणीय मुद्दों पर चित्र बनाए। उक्त प्रतियोगिता केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 8वीं वर्ग तथा 9वीं से 12वीं वर्ग के बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर मन की कल्पनाओं को कैनवास पर उकेरा गया तथा पर्यावरण संरक्षण को विभिन्न रूप में चित्रित कर अपने विचारों का प्रमाण प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्रारंभ से ही पर्यावरण हितैषी गुणों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में घरेलू दैनिक जीवन में किस प्रकार से ऊर्जा, पानी व अन्य प्राकृतिक संसाधनों का मितव्ययिता से उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण सकते हैं, इस संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

<u>जल स्रोत का संरक्षण व प्लास्टिक सफाई कार्यक्रम</u> :-

कार्यक्रमों की श्रृंखला में भोपाल शहर के प्रमुख तालाब के बोट क्लब क्षेत्र में पर सफाई का कार्य भी संपादित किया गया। चूंकि बड़ा तालाब भोपाल शहर का पेयजल का स्रोत भी है, अतः उसके वोट क्लब वाले क्षेत्र से पालीथीन हटाने व सफाई का कार्य किया गया। यह कार्य दिनांक 04 जून, 2019 को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश, मेडिकल एसोशिएशन भोपाल व अन्य स्थानीय निकायों की मदद् से संपादित किया गया। इस अवसर पर वोट क्लब पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया जिसके माध्यम से वायु प्रदूषण संबंधी जानकारी जन-सामान्य को दी गई तथा हम इसकी रोकथाम हेतु क्या कर सकते हैं, इस बाबत् संदेश दिया गया।

<u>नुक्कड़ नाटक :-</u>

सामान्य नागरिकों में वायु प्रदूषण के प्रति जन-चेतना के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रभावी रूप से संदेश फैला सकते हैं इस अवधारणा से क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा शहर के पांच स्थानों :- (1) वोट क्लब, बड़ा तालाब (2) न्यू मार्केट (3) डी.बी. मॉल में नुक्कड़ नाटक का आयोजन दिनांक 31 मई, 2019 को किया गया तथा इन नाटकों के माध्यम से उद्योग/वाहन/घरेलू कचरे से होने वाले वायु प्रदूषण के कुप्रभाव से अवगत करवाया व इस बाबत् संदेश दिया गया। नुक्कड़

नाटक के पश्चात् मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित जन-समुदाय को बताया कि मध्यप्रदेश में प्रदूषण प्रबंधन से संबंधित कौन-कौन से कानून हैं तथा किस तरह उनका परिपालन किया जाना है, इस बाबत जानकारी प्रदान की। बाजार में होने वाले सभी नुक्कड़ नाटकों के दौरान व्यापारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा उनके द्वारा भी केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस मुहिम में भरसक सहयोग करने व इसे कार्यान्वित करने का आश्वासन दिया।

<u>पर्यावरणीय प्रदर्शनी :-</u>

क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय तात्या टोपे स्टेडियम में दिनांक 04 जून 2019 को एक दिवसीय संयुक्त प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जिसमें प्रदूषण मापन में उपयोगी उपकरणों का जीवन्त प्रदर्शन किया गया तथा बच्चों के प्रश्नों का जवाब दिया गया। उक्त प्रदर्शनी में मुख्य रूप से वायु व ध्वनि प्रदूषण मापन में उपयोगी उपकरण प्रदर्शित किये गये। प्रदर्शनी के दौरान मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नर्मदा नदी के वॉटर मोनिट्रिंग पोईंट्स के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की थी । इस अवसर पर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा मध्य प्रदेश, शासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ अध्यक्ष मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया तथा प्रदर्शनी के दौरान डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा माननीय अध्यक्ष को कार्यालय की गतिविधियों से अवगत करवाया।

<u>पर्यावरण दौड़ भोपाल में सहभागिता :-</u>

पर्यावरण के प्रति आम-जनमानस में जन-जागरूकता के उद्देश्य से क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा आयोजित 'पर्यावरणीय दौड़' मे कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की यह आयोजन दिनांक 05.06.2019 को भारत भवन से वोट क्लब के मध्य किया गया था, इसमें कई स्थानीय लोगों, राज्य शासन के विभागों ने भी सहभागिता की जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल थे। यहाँ मार्ग के दोनों

ओर पर्यावरण संरक्षण संबंधी बैनर लगाए गए थे जिससे जो स्थानीय रहवासी व आम जनता प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हुए थे उन्हें भी इस दौड़ के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश पहुंचाया गया। दौड़ का शुभारंभ माननीय पर्यावरण मंत्री मध्य प्रदेश शासन के द्वारा किया गया तथा रैली समाप्ती के बाद प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजताओं को पुरस्कार वितरण किया गया तथा प्रदूषण की रोकथाम मे सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास को सफल बनाने की अपील की गई।

<u>पर्यावरण संगोष्ठी :-</u>

कार्यक्रम के अंतिम सोपान में क्षेत्रीय निदेशालय में पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 07.06.2019 को किया गया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया तथा पर्यावरण दिवस के इस वर्ष के स्लोगन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम शोधों के ऊपर विचारों का आदान प्रदान किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय शहरी प्रदूषण व नॉन अटेंनमेंट सिटी से संबंधित परिचर्चा की गई एवं विभिन्न राजय सरकारों द्वारा इस बाबत क्या कदम उठाए जा रहे है इस बाबत समीक्षा की गई। संगोष्ठी के दौरान कार्यालय के अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन व वैश्विक स्तर पर प्रदूषण स्तर को न्यूनतम रखने में किस तरह नई-नई चुनौतियां आ रही हैं तथा इसके क्या व्यवहारिक समाधान संभव हैं, इस बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। इस दौरान उपस्थित सहभागियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर किस-किस तरह के कार्य संपादित किए जा रहे हैं तथा भविष्य की क्या योजनाएं हैं इस बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए गए।

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा इस अवसर पर अन्य देशों में वायु प्रदूषण के प्रबंधन के बारे जानकारी एकत्र कर उसे किस तरह से भारतीय परिवेश में लागू कर प्रदूषण की रोकथाम कर सकते है इस विषय पर कार्य करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर उन्होने इस विषय में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों व नगरीय निकायों के साथ और अधिक समन्वय के द्वारा वायु प्रदूषण के उचित नियंत्रण व प्रबंधन संबंधी कार्य को गति देने पर बल दिया क्योकि पर्यावर्णीय नियमों को किसी राज्य मे लागू करने का दायित्व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का ही होता है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ बैठक :

मुख्यालय के निर्देशानुसार क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा अपने अधीन आने वाले राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ पर्यावरण दिवस के पूर्व समन्वय बैठक की तथा नॉन अटेंनमेंट शहर में वायु गुणवत्ता के सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की इस संदर्भ में डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा 23.05.2019 व 26.05.2019 को मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में बैठक ली तथा नॉन अटेंनमेंट शहर के एक्शन प्लान में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसी क्रम में श्री सुनील कुमार मीणा वैज्ञानिक 'घ' व श्री संजय कुमार मुकती द्वारा उज्जैन शहर का दौरा किया व क्षेत्रीय अधिकारी मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की।

इसी क्रम मे दिनांक 28.05.2019 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में नॉन अटेंनमेंट शहर में वायु गुणवत्ता के सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की, इस बैठक का समन्वयन डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' द्वारा किया गया इसमे छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्य के अंतिम क्रम में दिनांक 31.05.2019 को जयपुर, राजस्थान में नॉन अटेंनमेंट शहर में वायु गुणवत्ता के सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा बैठक का आयोजन राजस्थान राजय प्रदूषण मंडल के साथ आयोजित की गई इसके समन्वयन श्री पी.जगन वैज्ञानिक 'ई' द्वारा किया गया।

विविध :-

भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल द्वारा पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 04.06.2019 अवसर पर वायु प्रदूषण विषय पर पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम आयोजित की गए जिसमें कार्यालय के डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' द्वारा व्याख्यान दिया गया।

विज्ञान भारती संस्थान, भोपाल द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर वायु प्रदूषण विषय पर पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यालय के डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' द्वारा व्याख्यान दिया गया।

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित

कार्यक्रम में भी क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा सहभागिता की गई उक्त कार्यक्रम में वायु प्रदूषण पर व्याख्यान दिया गया।

<u>सोशल मीडिया :-</u>

आज के समय मे समाज में त्वरित संदेश पहुचाने हेतु सोशल मीडिया का बहुत योगदान है इसी बात को ध्यान में रखते हुए एक लघु फिल्म भी बनाई जो वायु प्रदूषण पर आधारित थी जिसे सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया। इस वीडियो को यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया जिसे लिंक https://youtu.be/xJDsGdGN1eo से देखा जा सकता है। इस लघु फिल्म का नाम 'हवा आने दे' रखा गया था तथा इसकी संकल्पना पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की फिल्म 'हवा आने दे' के आधार पर किया गया है। इस फिल्म का निर्माण कार्यालय मे उपलब्ध संसाधनों द्वारा ही किया गया है। इस कार्य का निर्देशन क्षेत्रीय निदेशक द्वारा किया गया, समन्वयन श्री सुनिक कुमार मीणा द्वारा वैज्ञानिक 'घ' द्वारा किया गया तथा श्रीमती रानु चौकसे वर्मा वैज्ञानिक 'ख' व श्री अनुराग शर्मा वैज्ञानिक 'ख' द्वारा विशेष तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

<u>व्यक्तिगत वृक्षारोपण कार्यक्रम :</u>

कार्यालय के अन्य कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर भी शहर के अन्य पर्यावरणीय संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया । स्थानीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठी, रहवासी कल्याण समिति की बैठकों में भाग लिया तथा जनभागीदारी के माध्यम से इस दिवस को सार्थक बनाने का प्रयास किया गया। कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा अपने परिवार के साथ पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने-अपने रहवासी क्षेत्रों में वृक्षारोपण भी किया गया । पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों को अपने रहवासी क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यालय द्वारा पौधों का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' द्वारा पैलेस ओर्चेड रहवासी संस्था के परिसर मे सभी रहवासियों के साथ पर्यावरण दिवस पर वैचारिक आदान प्रदान किया तथा संस्था के सबसे बुजुर्ग सदस्य के हाथों से व्रक्षारोपण कार्य पूर्ण किया।

श्री प्रहलाद बघेल द्वारा भी ए.जी. कालोनी परिसर मे रहवासियों के साथ पर्यावरण दिवस पर

परिचर्चा आयोजित की तथा संस्था के अन्य सदस्य के साथ व्रक्षारोपण कार्य पूर्ण किया।

श्री शिव शंकर शुक्ला व सुश्री अल्फा मोनिका द्वारा भी बी.एस.एन.एल. कालोनी परिसर मे रहवासियों के साथ पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया तथा कालोनी के अन्य सदस्य के साथ व्रक्षारोपण कार्य किया।

श्री राजीव शर्मा द्वारा भी आई.बी.डी.परिसर मे रहवासियों के साथ पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया तथा कालोनी के अन्य सदस्य के साथ व्रक्षारोपण कार्य किया।

श्री रामेश्वर बंदेवार द्वारा भी निलगिरी नगर कॉलर रोड मे रहवासियों के साथ पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया तथा कालोनी के अन्य सदस्य के साथ व्रक्षारोपण कार्य किया तथा कालोनी में कचरा ना जलाने की शपथ दिलवाई।

उपसंहार :-

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के अवसर पर दिनांक 22.05.2019 से 07.06.2019 के मध्य अनेक कार्यक्रम आयोजीत किए गए जिसमें कार्यालय के प्रत्येक व्यक्ति ने पूरे मनोयोग के साथ कार्यक्रमों में सहभागिता की तथा व्यापक जन-जागरूकता हेतु व पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य को अनवरत् बनाए रखने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता, पर्यावरणीय कार्यशाला, वृक्षारोपण, संगोष्ठी, पर्यावरणीय प्रदर्शनी, पर्यावरण दौड़, तथा स्थानीय प्रशासन के साथ संयुक्त कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया। कार्यालय द्वारा शहरी वायु प्रदूषण को न्यूनतम करने के उदेश्य से तथा इस वर्ष की थीम के अनुसार वायु प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु प्रभावी समन्वय की प्रतिबद्धता दिखाई तथा भारतीय परिवेश में ही भारतीय तकनीकी व व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण दिवस का अंतिम उदेश्य पाने हेतु सतत कार्य करने का संकल्प किया। कार्यालय द्वारा वर्ष भर इस तरह के अन्य कार्यक्रमों को संपादित करने हेतु कार्य योजना भी बनाई तथा दूरस्थ क्षेत्रों में भी इसका प्रचार-प्रसार करने हेतु संकल्प लिया, क्योंकि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्वच्छ पर्यावरण के लिये सदैव प्रतिबद्ध है ....।

(डॉ. पी के बेहेरा)
क्षेत्रीय निदेशक

कार्यक्रम संबंधी अन्य छायाचित्र

RARE RABBIT
MEN'S URBAN FASHION
HELLO NEW

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य) भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस 2019
मिनी

World Environment Day
5th June

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

विश्व पर्यावरण दिवस 2019
Beat Air Pollution
RUN FOR ENVIRONMENT

"विश्व पर्यावरण दिवस"
5 जून 2019
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
भोपाल
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून 2019
चित्रकला प्रतियोगिता
THEME- 'BEAT AIR POLLUTIO